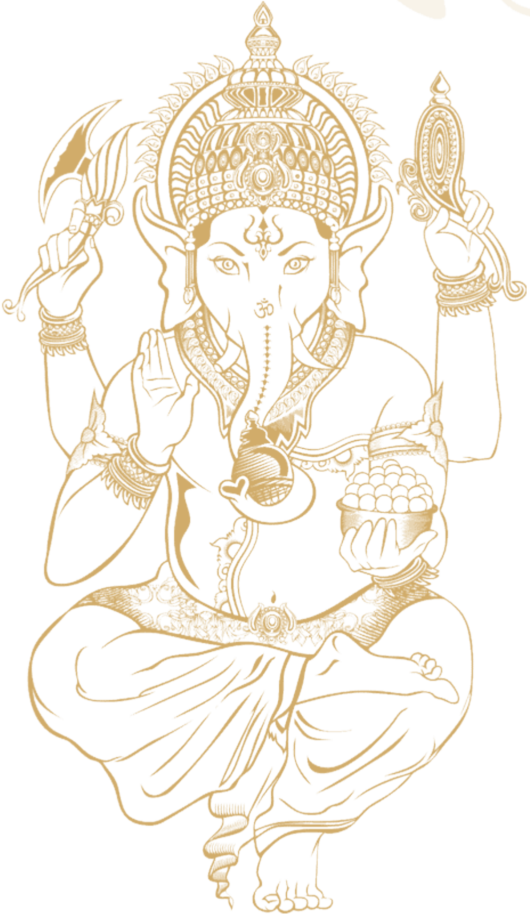

Harish Kumar

15 Nov 1984

03:11 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121172004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/11/1984**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**03:11:25 घंटे**
इष्ट	51:10:24 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:50:17 घंटे
वेलान्तर	00:15:34 घंटे
साम्पातिक काल	06:26:58 घंटे
सूर्योदय	06:43:15 घंटे
सूर्यास्त	17:27:50 घंटे
दिनमान	10:44:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	29:03:49 तुला
लग्न के अंश	12:17:40 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुक्ल
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:17:40	317:48:27	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			तुला	29:03:49	01:00:26	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	नीच राशि
चंद्र			कर्क	11:28:13	13:29:19	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	स्वराशि
मंगल			मक	05:43:17	00:44:51	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	18:19:36	01:22:22	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
गुरु			धनु	17:40:33	00:11:23	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	स्वराशि
शुक्र			धनु	07:27:07	01:12:14	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
शनि		अ	तुला	25:51:41	00:07:11	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	उच्च राशि
राहु			वृष	03:48:06	00:00:24	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	03:48:06	00:00:24	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	18:53:38	00:03:31	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
नेप			धनु	06:08:30	00:01:54	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	09:14:53	00:02:19	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	12:32:42	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:29

लग्न-चलित

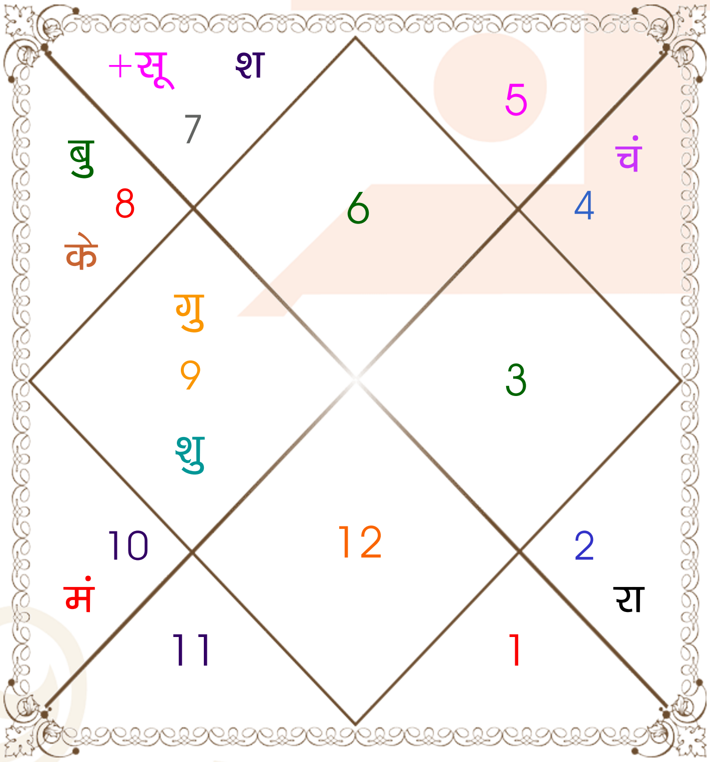

चन्द्र कुंडली

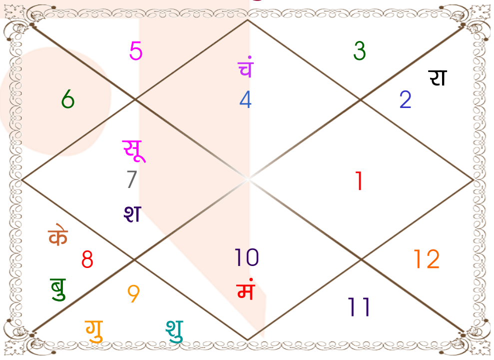

नवमांश कुंडली

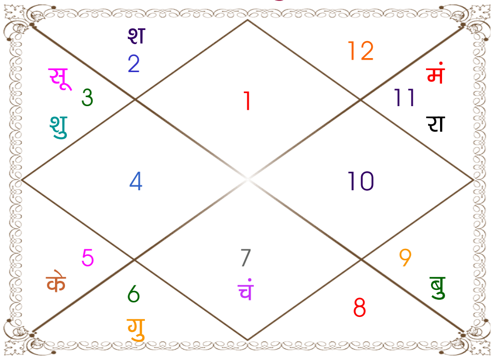

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 7 वर्ष 4 मास 26 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/11/1984		11/04/1992		12/04/2009		11/04/2016		11/04/2036	
11/04/1992		12/04/2009		11/04/2016		11/04/2036		12/04/2042	
	00/00/0000	बुध	08/09/1994	केतु	08/09/2009	शुक्र	12/08/2019	सूर्य	30/07/2036
	00/00/0000	केतु	05/09/1995	शुक्र	08/11/2010	सूर्य	11/08/2020	चंद्र	29/01/2037
	00/00/0000	शुक्र	06/07/1998	सूर्य	16/03/2011	चंद्र	12/04/2022	मंगल	05/06/2037
	00/00/0000	सूर्य	13/05/1999	चंद्र	15/10/2011	मंगल	12/06/2023	राहु	30/04/2038
	15/11/1984	चंद्र	11/10/2000	मंगल	12/03/2012	राहु	12/06/2026	गुरु	16/02/2039
चंद्र	14/10/1985	मंगल	08/10/2001	राहु	30/03/2013	गुरु	10/02/2029	शनि	29/01/2040
मंगल	23/11/1986	राहु	27/04/2004	गुरु	06/03/2014	शनि	11/04/2032	बुध	05/12/2040
राहु	29/09/1989	गुरु	02/08/2006	शनि	15/04/2015	बुध	10/02/2035	केतु	12/04/2041
गुरु	11/04/1992	शनि	12/04/2009	बुध	11/04/2016	केतु	11/04/2036	शुक्र	12/04/2042

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
12/04/2042		11/04/2052		12/04/2059		12/04/2077		12/04/2093	
11/04/2052		12/04/2059		12/04/2077		12/04/2093		00/00/0000	
चंद्र	10/02/2043	मंगल	07/09/2052	राहु	23/12/2061	गुरु	31/05/2079	शनि	14/04/2096
मंगल	11/09/2043	राहु	26/09/2053	गुरु	18/05/2064	शनि	11/12/2081	बुध	24/12/2098
राहु	12/03/2045	गुरु	02/09/2054	शनि	25/03/2067	बुध	18/03/2084	केतु	01/02/2100
गुरु	12/07/2046	शनि	12/10/2055	बुध	11/10/2069	केतु	22/02/2085	शुक्र	04/04/2103
शनि	10/02/2048	बुध	08/10/2056	केतु	30/10/2070	शुक्र	24/10/2087	सूर्य	16/03/2104
बुध	12/07/2049	केतु	06/03/2057	शुक्र	29/10/2073	सूर्य	11/08/2088	चंद्र	16/11/2104
केतु	10/02/2050	शुक्र	06/05/2058	सूर्य	23/09/2074	चंद्र	11/12/2089		00/00/0000
शुक्र	12/10/2051	सूर्य	11/09/2058	चंद्र	24/03/2076	मंगल	17/11/2090		00/00/0000
सूर्य	11/04/2052	चंद्र	12/04/2059	मंगल	12/04/2077	राहु	12/04/2093		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 7 वर्ष 4 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।